Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 50 , 14 नवम्बर, मंगलवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

तोहफा: बेटी की सगाई में शगुन के तौर पर दिए एक हजार पौधे

जींद। पर्यावरण की वास्तव में कुछ लोगों को चिंता है और वे इसके लिए पहल करने में पीछे नहीं रहते। ऐसे ही लोगों में शामिल हैं हिसार जिले के सतपाल भ्याण, जोगेंद्र और रानी। रविवार को जोगेंद्र की सगाई की रस्म अदायगी हुई। सगाई की रस्म में वधू पक्ष ने वर पक्ष को शगुन का एक रुपया और एक हजार फलदार पौधे दिए। अब इन पौधों से गांव की हरियाली बढ़ेगी। ग्रामीणों ने नंबरदार उमेद सिंह के बेटे जोगेंद्र सिंह और परिजनों की खूब सराहना की। जोगेंद्र का विवाह सरसौद निवासी सतपाल भ्याण की बेटी रानी के साथ होगा। जोगेंद्र इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर हिसार में एक शिक्षण संस्थान के डायरेक्टर के पद पर कार्यरत है।

भात में दी पांच सिलाई मशीन...

शगुन की रस्म के दौरान जोगेंद्र के मामा की तरफ से भात में पांच सिलाई मशीन व दरी बनाने के यंत्र दिए गए। इससे गांव में ओमप्रकाश जैन भवन में सिलाई केंद्र खोला जाएगा, ताकि गांव की लड़कियां स्वावलंबी हो सकें और उनके कौशल विकास हो।

वायु प्रदूषण: स्ष्ट का केंद्र, दिल्ली, पंजाब व हरियाणा सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के साथ दिल्ली, यूपी, पंजाब और हरियाणा सरकार को नोटिस जारी किया है। शीर्ष कोर्ट ने पराली जलाने और सड़कों की धूल से होने वाले प्रदूषण पर अंकुश के निर्देश देने के लिए इन सभी सरकारों से मांगा जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति ए् एम् खानलिवकर और न्यायमूर्ति डी् वाई् चन्द्रचूड़ की पीठ ने वकील आर् के् कपूर की ओर से दी गई अर्जी को स्वीकार करते हुए यह फैसला किया। कपूर ने अपने आवेदन में कहा है कि सड़कों पर उड़ रही धूल, दिल्ली के पड़ोसी राज्यों हरियाणा और पंजाब में पराली जलाये जाने से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में प्रदूषण खतरे की हद तक बढ़ गया है।

रोहिणी कोर्ट में पेशी के दौरान आए कैदी की गोली मारकर हत्या,

नई दिल्ली। रोहिणी कोर्ट परिसर में सोमवार की सुबह उस समय भगदड़ मच गई जब कोर्ट परिसर में पुलिस कस्टडी में पेशी के दौरान आए एक आरोपी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली चलाने वाले शख्स को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि बीते अप्रैल में भी रोहिणी कोर्ट में पेशी पर आए कैदी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जानकारी के अनुसार रोहिणी कोर्ट परिसर में सोमवार को पेशी के दौरान विनोद नाम के कैदी को लाया गया था। पुलिस कैदी को लेकर जा रही रही थी कि सीढ़ियों पर ही एक बदमाश ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी। गोली लगते ही कैदी विनोद की मौके पर मौत हो गई। बदमाश हत्या को अंजाम देने के बाद भागने की कोशिश कर रहा था लेकिन वकीलों ने हत्यारोपी को पकड़ लिया। हमलावर अब्दुल खान को पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पहले भी कोर्ट परिसर में चल चुकी है गोली

रोहणी कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवालिया निशान लग गया है। इसी साल अप्रैल माह में जिस तरह से पेशी के दौरान आए एक कैदी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके बाद से कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को ठीक करने की बात कही गई थी लेकिन सोमवार को जिस तरह से बदमाश ने गोली मारकर हत्या को आंजाम दिया है उससे तो यही लगता है कि अभी भी कोर्ट परिसर की सुरक्षा में काफी चूक है।

इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिले पर रोक

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीबी पंत इंजीनियरिंग कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2017-18 में प्रवेश पर रोक लगा दी है। साथ ही, एआईसीटीई ने कॉलेज को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एआईसीटीई द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि कॉलेज में अनुसंधान प्रयोगशाला, चिकित्सा कक्ष, छात्र-छात्राओं के लिए कॉमन रूम और प्लेसमेंट कायालर्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। वहीं, संस्थान के प्रतिनिधियों ने अप्रैल में एक स्थायी अपील समिति की ओर से बताई गई कमियों को दूर करने के संबंध में भी अपनी रिपोर्ट नहीं दी है।

आरोपी पुलिसकर्मी निलंबित,

बच्चे को दूध पिला रही महिला को क्रेन से उठा ली थी कार

नई दिल्ली। मुंबई स्थित मलाड से महिला और बच्चे समेत कार ले जाने के मामले में तूल पकड़ने के बाद यातायात पुलिस के आरोपी सिपाही को सस्पेंड कर दिया गया। इस संबंध में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसके साथ एक बयान में उन्होंने कहा कि यदि महिला ने गैरजिम्मेदाराना व्यवहार किया है तो उसके खिलाफ भी एक केस दर्ज किया जाना चाहिए।

क्रेन से उठा ली थी कार

बता दें कि शुक्रवार को मुंबई में ट्रैफिक पुलिस ने एक कार को क्रेन से उठा लिया, जिसकी पिछली सीट पर महिला अपने 7 महीने के बच्चे को दूध पिला रही थी। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फड्णवीस ने कहा, ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। निश्चित रूप से ये बेहद असंवेदनशील और खतरनाक है कि जिस गाड़ी में महिला और बच्चा बैठे थे, उसे इस तरह से ले जाया गया। पुलिसवाले को सस्पेंड कर दिया गया है। महकमे को इस बारे में निर्देश दिए गए हैं कि हालात और संवेदनशीलता को ध्यान में रखें ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा ना हों।

किस तरह सामने आई ये घटना

एक शख्स ने इस घटना का वीडियो तैयार किया। इस शख्स ने बार-बार कार में महिला और बच्चे के होने की बात ट्रैफिक कॉन्स्टेबल से कही लेकिन उसने अनसुनी कर दी। वीडियो बनाने वाला शख्स ये कहते हुए सुनाई दे रहा है कि वह (महिला) फाइन भरने के लिए तैयार है। अगर बच्चा मर गया तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। सीएम फड्णवीस ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और जानकारी दी कि पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है। इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस के जवानों को संवेदनशील बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदूषण के बीच शुरू होगा विश्व व्यापार मेला

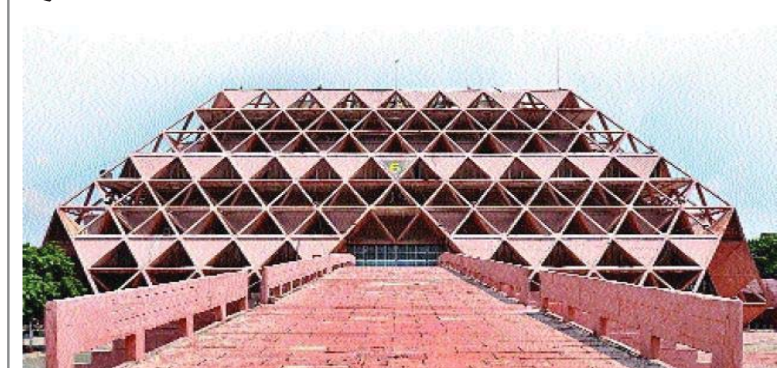

नई दिल्ली। विश्व व्यापार मेले को भी इस बार दिल्ली के प्रदूषण के दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे। मंगलवार से प्रगति मैदान में शुरू होने जा रहे विश्व व्यापार मेले पर भी प्रदूषण का असर पड़ने की आशंका है। मेले में देश के अलग-अलग राज्यों के अलावा दुनिया के 22 देशों की 300 के लगभग कंपनियां हिस्सा लेने वाली हैं। दिल्ली में हवा में घुले प्रदूषण के स्तर पर में पिछले कुछ दिनों की तुलना में यूं तो सुधार देखा जा रहा है। लेकिन, अभी भी हवा में प्रदूषक कणों की स्थिति सामान्य से काफी ज्यादा है और इन्हें स्वास्थ्यवर्धक नहीं माना जा रहा है। मंगलवार को प्रगति मैदान में 37वें विश्व व्यापार मेले की शुरुआत होगी। खुद राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इसका शुभारंभ करेंगे। इसके बाद वे मेले का अवलोकन भी करेंगे। मेले में सात हजार से ज्यादा एजेंसियां अपना स्टाल लगाने वाली हैं।

भारत के अलग-अलग प्रदेशों के विशेष स्टाल यहां पर देखने को मिलेंगे। इसके अलावा दुनिया भर के 22 देश मेले में हिस्सा ले रहे हैं। इसमें श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, भूटान, मलेशिया, बहरीन, दक्षिण अफ्रीका, वियतनाम और नीदरलैंड जैसे देश शामिल हैं।

मुस्लिम गोपालक पर हमला कर भीड़ ने की हत्या, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजस्थान के अलवर में एक मुस्लिम गोपालक की हत्या कर दी गई। यह पहलू कांड की तर्ज पर राज्य में दूसरी हत्या है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

अलवर जिले से पिकअप में गाय लेकर भरतपुर के घाटमिका गांव जा रहे दो मुस्लिम गोपालकों के साथ शनिवार देर रात मारपीट की गई और फिर उनको गोली मार दी गई।

35 साल के इस युवक उमर का शव रेलवे लाइन के किनारे मिला है। एक सामाजिक कार्यकर्ता मौलाना हनीफ ने कहा कि उमर मुहम्मद डेयरी फार्मिग करता था। वह ताहिर खान और जब्बा के साथ पांच गायों को लेकर भरतपुर जा रहा था। इसी दौरान गोविंदगढ़ के पास कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

फायरिंग में उमर की मौके पर ही मौत हो गई। इस हमले में घायल ताहिर का हरियाणा के फिरोजपुर झिरका के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं घटना के बाद से ही जब्बा गायब है। बड़ी संख्या में जुटे मेव समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस के साथ विश्व हिन्दू परिषद के लोगों ने मुस्लिम युवकों के साथ मारपीट की। युवकों के साथ मारपीट करने वालों ने उन गोलीबारी करने का भी आरोप लगाया है।

आरोपी नाबालिग है। उसकी उम्र 16 साल है। उसके साथ 6 अन्य लोग भी इस अपराध में शामिल थे। मामले पर राजस्थान के गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया ने कहा वाहन में पांच गाय मिलीं थी जिसमें से एक मर चुकी थी। मामला दर्ज कर लिया गया है। बाद में एक शव भी मिला जिसे एक परिवार ने अपना सदस्य होने का दावा किया है। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया है। एक संदिग्ध को कल गिरफ्तार कर लिया गया है। जिस युवक को कथित तौर पर गोली मारी गई है वह एक वाहन में गायों को ले जा रहा था।

मामले की क्या सच्चाई है इस पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। कटारिया ने कहा कि उन्हें आशा है कि केस को जल्द सुलझा लिया जाएगा और दोषी को सजा मिलेगी।

कटौती पर वितरण कंपनियों पर जुर्माना लगाने का सुझाव

बिजली वितरण कंपनियों ने कहा कि माली हालत भी ठीक की जाए : टाटा पावर

नई दिल्ली। बिजली उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने हर घर को बिजली की आपूत्तर 24 घंटे करने के सरकार के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बिजली वितरण कंपनियों पर विद्युत कटौती के लिए जुर्माना और सख्त नियमन व्यवस्था के साथ-साथ उनकी माली हालत मजबूत रखने के उपाय किए जाने पर बल दिया है। सरकार ने दिसम्बर 2018 तक घर-घर बिजली पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। वह बाकी बचे सभी गांवों के विद्युतीकरण का काम समय से पहले इस साल दिसंबर तक पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही मार्च 2019 तक सभी घरों को 24 घंटे अनवरत बिजली सुलभ कराने का महत्वकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक अनिल सरदाना ने कहा कि इस लक्ष्य के लिए जरूरी है कि बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति बेहतर हो। उन्होंने उदय योजना को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (उदय) सरकार की बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति में सुधार की योजना है। उन्होंने बिजली अपूर्ति में सकल तकनीकी व वाणिज्यिक नुकसान में कमी, लागत और कीमत के बीच का अंतर कम करने तथा नियमित तरीके से बिजली दरों में संशोधन से कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। कंपनियों की हालत ठीक रहने से हर घर को अनवरत बिजली की आपूत्तर सुनिश्चित करने का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जैसे कुछ शहरों में बिजली कटौती पर जुर्माने का प्रावधान है। सभी घरों को सातों दिन 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए इसी प्रावधान को देश में सभी बिजली वितरण कंपनियों पर लागू किये जाने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वितरण कंपनियां वित्तीय समस्याओं या अकुशलता की आड़ में बिनी सोच विचार के बिजली कटौती न करें।

बीएसईएस राजधानी पावर के निदेशक गोपाल सक्सेना ने कहा कि देश भर में वितरण कंपनियों पर सर्वत्र बिजली की आपूत्तर करने का दायित्व (यूएसओ) रहता है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और अहमदाबाद जैसे शहरों में मजबूत नियामकीय ढांचा और स्थापित मानक हैं। उन्होंने कहा कि अन्य शहरों में भी नियामकीय व्यवस्था मजबूत बनाकर और कड़ाई से लागू कर 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय शिक्षकों की वेतन को लेकर पीएम से दखल की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली विविद्यालय समेत देशभर के केन्द्रीय विविद्यालयों में सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लेकर अब शिक्षक प्रधानमंत्री से दखल की मांग करेंगे। अखिल भारतीय विविद्यालयएवं महाविद्यालय शिक्षक महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की यहां हुई बैठक में यह फैसला हुआ। बैठक में तय हुआ कि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लेकर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। महासंघ के महासचिव अरुण कुमार ने बताया कि वेतन आयोग की सिफारिशों को लेकर आंदोलन के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। इस संबंध में आयोजित बैठक में यह तय हुआ है कि वेतन आयोग की सिफारिशों को लेकर महासंघ प्रधानमंत्री के नाम सभी तरह की आपत्तियों को लेकर ज्ञापन देगा।

अखिल भारतीय विविद्यालयएवं महाविद्यालय शिक्षक महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की यहां हुई बैठक में यह फैसला हुआ। बैठक में तय हुआ।

इस संबंध में यह भी मांग की जाएगी कि इस मामले को लेकर महासंघ व फेडकूटा के प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित किया जाए। इसके अलावा 30 नवम्बर को देशभर के विविद्यालयों में शिक्षक काले बैच लगाकर धरना देंगे। इसमें शिक्षा को बचाने की मांग की जाएगी। इस दौरान अपनी मांगों व शिकायतों को लेकर शिक्षक हस्ताक्षर अभियान भी चलाएंगे। श्री कुमार ने बताया कि इसके अलावा 12 दिसम्बर को शिक्षक प्रत्येक राज्य के मुख्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन करेंगे। संसद सत्र के दौरान भी महासंघ प्रदर्शन करेगा।

सस्ती दरों पर मिलेगा डाटा

अब दिल खोलकर कर सकेंगे इंटरनेट का इस्तेमाल,

नई दिल्ली। भारतनेट परियोजना से गांवों में सस्ती दरों पर तेज इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। दिल्ली में केन्द्रीय संचार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनोज सिन्हा द्वारा देशभर के संचार मंत्रियों की बुलाई गई बैठक में सोमवार को उक्त मसले पर एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। संचार मंत्रालय के एक वरिष्ठ ने बताया कि देश की ढाई लाख ग्राम पंचायतों में लगभग एक लाख ग्राम पंचायतें को इंटरनेट सुविधा से जोड़ने का काम पूरा कर लिया गया है। बाकी डेढ़ लाख ग्राम पंचायतों को दिसम्बर 2018 तक इंटरनेट से जोड़ दिया जाएगा।

भारतनेट के काम में पिछले साल से ज्यादा तेजी आई है। संचार मंत्रालय का काम संभालने के बाद मनोज सिन्हा द्वारा इस योजना की समीक्षा करके काम को और तेज करने का जोर दिया गया। नतीजा, 2014 से 2016 तक जहां साढ़े 13 हजार किलोमीटर आप्टिकल फाइबर लाइन डाली गईं, वहीं 2016 से अक्तूबर 2017 तक 25 किलोमीटर का आंकड़ा पार हो गया है। इस दौरान 45,850 जगहों पर इंटरनेट सुविधा दुरुस्त कर दी गई है।

गांवों में इंटरनेट क्रांति लाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा अब राज्य सरकारों के साथ समन्वय की पहल शुरू की गई है। 13 नवंबर को दिल्ली में सभी राज्य के संचार मंत्रियों की बैठक होने वाली है। इस बैठक में केंद्रीय संचार राज्यमंत्री मनोज सिन्हा द्वारा भारतनेट के कामकाज का ब्यौरा देकर राज्य सरकारों को इस सुविधा को लेने से होने वाले लाभ के बारे में बताया जाएगा।

तीन तरीके से गांव में इंटरनेट

देश की भौगोलिक स्थिति ऐसी है, जिसमें गांवों की बसावट के हिसाब से सभी पंचायतों को नेट से जोड़ने के लिए तीन तरह की योजना पर काम किया जा रहा है। संचार विभाग के अधिकारी के अनुसार समतल क्षेत्र वाली सवा लाख ग्राम पंचायतों में आप्टिकल फाइबर डाली जा रही है। लगभग 20 हजार पंचायतों को रेडियो प्रणाली के जरिए इंटरनेट से जोड़ा जा रहा है। वहीं सुदूर बसावट वाली करीब 3 हजार पंचायतों को सेटेलाइट के जरिए इंटरनेट से जोड़ने पर काम हो रहा है।

भारतनेट योजना

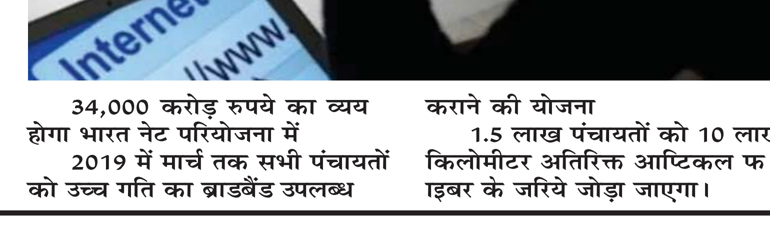

34,000 करोड़ रुपये का व्यय होगा भारत नेट परियोजना में

2019 में मार्च तक सभी पंचायतों को उच्च गति का ब्राडबैंड उपलब्ध कराने की योजना

1.5 लाख पंचायतों को 10 लाख किलोमीटर अतिरिक्त आप्टिकल फाइबर के जरिये जोड़ा जाएगा।

असाधारण प्रतिभा को चमत्कारिक वरदान की आवश्यकता नहीं होती और साधारण को अपनी त्रुटियों की इतनी पहचान नहीं होती कि वह किसी पूर्णता के वरदान के लिए साधना करे-महादेवी वर्मा

सुर्खियों में बयान

पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर के बारे में कई बार ऐसे बयान देते हैं, जिनका विवादास्पद बनना स्वाभाविक है। इस समय उनका यह बयान सुर्खियों में है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पाकिस्तान का है और उसके पास ही रहेगा। यह बयान संसद के उस संकल्प के विरु द्ध है, जिसमें पीओके को हर हाल में वापस लेने की बात कही गई है। ऐसे बयान से देश भर में गुस्सा पैदा होता है, क्योंकि कोई भारतीय सामान्यत: यह स्वीकार करने को तैयार नहीं होगा कि कश्मीर के जिस भाग को पाकिस्तान ने बरसों पहले जबरन कब्जा कर लिया उसे उसके पास ही छोड़ दिया जाए। वे पाकिस्तान के पास नाभिकीय अस्त्र होने की बात करते हैं। क्या भारत के पास नाभिकीय अस्त्र नहीं है? क्या इसके डर से हम अपने भूभाग की अखंडता को पूर्ण करने का प्रयत्न नहीं करेंगे? जब एक बार महाराजा हरि सिंह ने संपूर्ण जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के समझौते पर हस्ताक्षर कर दिया तो फिर उसका सम्मान पाकिस्तान को भी करना चाहिए था। इसलिए फारुक ऐसा बयान क्यों दे रहे हैं यह समझना मुश्किल है? इसके पहले वे गुस्से में प्रश्न की शैली में यह भी बोल चुके हैं कि क्या पीओके आपके बाप का है? इसके जवाब में देश भर से आवाज आई कि हां वह कश्मीर हमारे बाप का है। उन्होंने यह भी कहा कि कश्मीर के मौजूदा हालात के लिए भारत जिम्मेवार है, जिसने कश्मीरियों के साथ ठीक बर्ताव नहीं किया। उनके अनुसार कश्मीरियों ने प्रेम, जम्हूरियत व अपनी पहचान की गारंटी के लिए हिन्दुस्तान का विलय किया था लेकिन हिन्दुस्तान ने कश्मीरियों की कद्र नहीं की और हालात बिगड़ गए। उनसे यह पूछा जाएगा कि भारत ने कश्मीरियों के कद्र करने में कहां कमी की? फारुख स्वयं और उनके पिता से लेकर पुत्र तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। अगर उन्हें लगा कि भारत कश्मीर के साथ ठीक व्यवहार नहीं कर रहा है तो उन्होंने क्या किया? फारुक और उमर अब्दुल्ला तो प्रदेश निकलकर केंद्र तक में मंत्री बने। ऐसे व्यक्ति का इस तरह का बयान कृतघ्नता की श्रेणी का माना जाएगा। यह अलगावादियों की भाषा है, जिसे फारुख आवाज दे रहे हैं। किसी प्रदेश की जनता की वाजिब शिकायतें अलग बात है और यह कहना कि कश्मीर के साथ भारत का व्यवहार ठीक नहीं था; प्रदेश को अलग तरह का और विशिष्ट मानने की ओर इंगित करता है, जिसे हम स्वीकार नहीं कर सकते।

''पल में तोला, पल में माशा'

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ऐसे ही मौत की भट्ठी में तब्दील नहीं हो रहा है। राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान में पर्यावरण को लेकर संजीदा न होना और बात-बात पर सियासी पैतरा अख्तियार करने का ही नतीजा है कि आज यह पूरा इलाका साफ-सुथरी हवा लेने को तरस रहा है। बेहद खतरनाक हो चुके हालात के बावजूद किसी भी दल ने राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्थ्य हितों की बात नहीं की है। लेकिन सबसे ज्यादा किरकिरी दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने कर रखी है। पिछले सात-आठ दिनों से दम घुटने के माहौल से निजात पाने के लिए एक अदद योजना तक इस सरकार के पास नहीं है। थक-हार कर वही पुराना ऑड-ईवन का फामरूला लाने के कुछ ही देर बाद उसे वापस लेना इसी तय को उजागर करता है कि दिल्ली सरकार के एजेंडे में जनता की परेशानी और उसके निदान के उपाय नहीं हैं। ठीक है, राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने ऑड-ईवन में दोपहिया वाहनों और महिलाओं को भी शामिल करने का निर्णय दिया लेकिन एनसीआर की मौजूदा स्थिति को देखें तो ऐसे कठिन विकल्पों को आजमाना ही समझदारी है। जहां तक बात सार्वजनिक परिवहन पर पड़ने वाले दबाव की है, तो दिल्ली सरकार को शासन किए भी तीन साल का वक्त हो चुका है। लेकिन उसने इस ओर से आंखें मूंद रखी थी। ''पल में तोला, पल में माशा' वाली कहावत दिल्ली सरकार पर भी लागू होती है। किसी एक निर्णय पर पहुंचना और उसपर दृढ़ होना सियासी तौर पर समझदार सरकार की निशानी होती है। इसे वापस लेने से साफतौर पर यही प्रतीत होता है कि सरकार ने बहुमूल्य तीन साल में सिर्फ वक्त ही बर्बाद किया है। सार्वजनिक परिवहन की स्थिति बद-से-बदतर हो चुकी है। महज महिला सुरक्षा की आड़ लेकर किसी निर्णय को रद्द करना और दूसरे दलों पर आरोप मढ़ने का नुकसान फौरी तौर पर भले पर्यावरण पर पड़े परंतु लंबे समय में यह उस सरकार का है, जो अपनी कमियां छिपाने के नित नये उपाय करती है। अलबत्ता अब और समय बर्बाद किए बिना हर किसी को आगे आकर प्रदूषण को मिटाने का संकल्प और जिजिविषा दिखानी होगी, वरना आने वाली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी।

सत्संग

आनंद और सफलता

व्यक्ति ऐसा नहीं है जो कभी गलतियां न करता हो, लेकिन अपनी गलतियों को हम स्वयं नहीं समझ पाते। जब कोई दूसरा हमारी गलतियों की तरफ ध्यान दिलाता है, तब हमें उन्हें देखने का मौका मिलता है और हम उनमें सुधार करने की कोशिश करते हैं। हमारे लिए समालोचना बहुत अच्छी चीज है। समालोचना हमारे दोष एवं खामियों को देखने और उनको सुधारने में हमारी मदद करती हैं। यानी यह हमारे अपने बारे में अनसुलझे प्रश्नों को खोजने में मदद करती है। समालोचना नई संभावनों और नये विचारों को जन्म देती है। यह समस्या को सुलझाने के हमारे कौशल को भी बढ़ा सकती है। इसी तरह समालोचना हमें उन छोटे-छोटे मुद्दों की चिंता न करना भी सिखाती है, जो वास्तव में हमारे लिए महत्त्वपूर्ण नहीं हैं। कुल मिलाकर समालोचना हमारी खुशी, शांति, आनंद और सफलता के क्षणों को जीने के अवसरों में बढ़ोतरी करती है। कहा गया है कि जो आपकी निंदा करते हैं, उन्हें अपने आंगन में कुटी बनवाकर रखना चाहिए। ये निंदा करने वाले ही एक प्रकार के समालोचक हैं। ये हमारी कमियां बताकर बिना साबुन और पानी के हमारे स्वभाव को साफ करते हैं। ऐसे में हमारे अंदर यह भावना कभी नहीं आनी चाहिए कि कोई दूसरा व्यक्ति हमें सीख कैसे दे सकता है? ऐसा सोचने वाले व्यक्ति स्वयं अपना ही नुकसान कर लेते हैं। अपनी आलोचना किसी को भी अच्छी नहीं लग सकती है, लेकिन समझदार व्यक्ति अपने कौशल से अपनी आलोचना को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर लेते हैं। ऐसे व्यक्ति आलोचना को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेते हैं, बल्कि इसे एक अवसर में बदल देते हैं। वैसे कुछ लोग आदतन आलोचक होते हैं और वे हमेशा दूसरे के क्रियाकलापों पर अनावश्यक या नकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। ऐसे लोग खुद से ही असंतुष्ट होते हैं, इसलिए उन्हें दूसरों में भी दोष ही दिखाई देते हैं। हमें कभी भी बेवजह दूसरों की आलोचना नहीं करनी चाहिए, क्योंकि आपकी आलोचना व्यक्ति को जीवन के प्रति हतोत्साहित भी कर सकती है, जबकि समालोचना से व्यक्ति उत्साहित होकर नया जीवन प्राप्त कर सकता है। जब आपको यह कला आ गई कि कभी किसी की आलोचना नहीं करनी चाहिए, ताकि कोई दूसरा भी आपकी आलोचना कर पाए, तब आपके चाहने वालों की संख्या बहुत बढ़ जाएगी और जीवन में शांति और आनंद पैदा हो जाएगा।

संदेह की पूरी गुंजाइश

दुनिया भर के राजनेताओं, कलाकारों, व्यापारियों, कॉरपोरेट घरानों आदि के नाम हैं, जिनके बारे में धारणा यह बन रही है उन्होंने अपने देश से छिपाकर उन देशों में निवेश किए या कंपनियां बनाकर कारोबार किए जहां कर नहीं लगता या कम लगता है। सामान्य निष्कर्ष यह निकल सकता है कि ऐसे सारे लोग बेईमान हैं और इनके खिलाफकार्रवाई होनी चाहिए। 180 देशों की सूची बनाकर आईसीआईजे ने भारत को 19 वां स्थान दिया है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत का स्थान भले सबसे ऊपर नहीं है लेकिन काफी ऊपर है। कुल 714 भारतीयों के नाम होने का अर्थ भी यही है। पैराडाइज दस्तावेज सामने आने के साथ ही कुछ लोग याद दिला रहे हैं कि जब पनामा दस्तावेज में कुछ नहीं हुआ तो इसमें क्या हो सकता है?

सतीश पेडणेकर

वर्ष पहले हमारे सामने पनामा दस्तावेज आए थे और अब पैराडाइज है। दोनों में सनसनाहट का अंश एक समान है। किंतु सनसनाहट के अनुरूप ही इसके परिणाम भी आएंगे इसे लेकर संदेह की पूरी गुंजाइश है। ध्यान रखिए इंटरनेशनल कंसोर्टयिम आफ इनवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (आईसीआईजे) ने ही पनामा दस्तावेज भी लीक किए थे और उसी ने पैराडाइज दस्तावेज भी सामने लाया है और वही जर्मन अखबार ''जीटॉयचे साइटुंग' ने इसे छापा है। इसमें दुनिया भर के राजनेताओं, कलाकारों, व्यापारियों, कॉरपोरेट घरानों आदि के नाम हैं, जिनके बारे में धारणा यह बन रही है उन्होंने अपने देश से छिपाकर उन देशों में निवेश किए या कंपनियां बनाकर कारोबार किए जहां कर नहीं लगता या कम लगता है। सामान्य निष्कर्ष यह निकल सकता है कि ऐसे सारे लोग बेईमान हैं और इनके खिलाफकार्रवाई होनी चाहिए। 180 देशों की सूची बनाकर आईसीआईजे ने भारत को 19 वां स्थान दिया है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत का स्थान भले सबसे ऊपर नहीं है लेकिन काफी ऊपर है। कुल 714 भारतीयों के नाम होने का अर्थ भी यही है। पैराडाइज दस्तावेज सामने आने के साथ ही कुछ लोग याद दिला रहे हैं कि जब पनामा दस्तावेज में कुछ नहीं हुआ तो इसमें क्या हो सकता है? पहली नजर में बात सही भी लग सकती है। किंतु यह पूरे मामले का एक पहलू है। कई बार पहली नजर में कोई तथाकथित खुलासा जितनी सनसनाहट पैदा करती है उसमें कानूनी कार्रवाई के तय उतने नहीं होते। जिन लोगों ने इन दस्तावेजों को बाहर लाने में परिश्रम किया है हम उनका महत्त्व कम नहीं कर रहे। यह दावा किया गया है कि इसमें उन फर्म और फर्जी कंपनियों के बारे में बताया गया है, जो दुनिया भर में अमीरों और ताकतवर लोगों का पैसा दूसरे देशों में भेजने में उनकी मदद करते हैं। लेकिन इन्होंने दस्तावेज प्रकाशित करने के साथ ही उसमें यह स्पष्टीकरण दिया है कि विदेशों में कंपनियों या न्यासों के पंजीकरण वैध कायदे से भी किया जाता है और इसमें किसी नाम आने का मतलब यह नहीं है कि संबंधित व्यक्ति या इकाई ने कानून का उल्लंघन किया ही है। आखिर ऐसा स्पष्टीकरण की इन्हें आवश्यकता क्यों पड़ी? अगर ये इसे भ्रष्टाचार मानते हैं तो इन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। वस्तुत: इस एक पंक्ति के स्पष्टीकरण से पूरा मामला कमजोर हो जाता है। दूसरे, आईसीआईजे की वेबसाइट ने भी सभी लोगों और इकाइयों के नाम और ब्योरे भी जारी नहीं किए हैं। अगर वाकई इसमें 1 करोड़ 34 लाख दस्तावेज हैं तो इसका अध्ययन आसानी से नहीं हो सकता है। यह मानना उचित नहीं है कि भारत में इसका संज्ञान नहीं लिया गया है। वास्तव में पनामा दस्तावेजों की जांच कर रहे बहु एजेंसी समूह (एमएजी) को ही इसकी भी जांच सौंप दी गई है। यह केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष की अध्यक्षता वाला समूह है, जिसमें केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के दूसरे अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, रिजर्व बैंक और वित्तीय खुफिया इकाई के प्रतिनिधि शामिल हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा है कि जैसे-जैसे उन्हें दस्तावेज हाथ लगेंगे वैसे-वैसे ही उनकी कार्रवाई आगे बढ़ सकती है। वित्त मंत्रालय की ओर से तत्काल विज्ञप्ति जारी कर कहा गया कि जिन लोगों या कंपनियों के नाम सामने आए हैं उनमें से कुछ पर पहले से ही नजर थी। इनमें से कुछ के खिलाफ काला धन विदेश में छिपाने को लेकर पहले से ही जांच चल रही है। इसके अलावा बाजार नियामक सेबी विभिन्न सूचीबद्ध कंपनियों और उनके प्रवर्तकों द्वारा कोष की कथित हेराफेरी और कंपनी संचालन में खामी की जांच करेगा। इसमें विजय माल्या से जुड़े प्रवर्तक शामिल हैं। पैराडाइज पेपर में माल्या का नाम भी शामिल है। अगर सूचीबद्ध कंपनियों और उनसे जुड़ी या उनके प्रवर्तकों के बारे में खुलासा किया जाता है तो यह देखा जाएगा कि कंपनी संचालन या खुलासा नियमों या कोष की हेराफेरी समेत कोई अनियमितता तो नहीं की गई। इस तरह दो प्रकार से इनकी जांच होगी। आयकर विभाग तो अपनी ओर से उनके रिटर्न की समीक्षा करेगा ही। जो जानकारी दी गई है उसके अनुसार बरमूडा की प्रतिष्ठित विधि सलाहकार कंपनी एप्पलबाय के कम्प्यूटर रिकॉर्ड से निकाले गए इन दस्तावेजों में करीब 70 लाख कर्ज समझौते, वित्तीय ब्योरे, ई-मेल, ट्रस्ट के कागजात और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। ये दस्तावेज करीब 50 साल के हैं। जरा सोचिए, क्या इसकी संपूर्ण जांच संभव भी है? 119 साल पुरानी कंपनी ऐप्पलबाय वकीलों, अकाउंटेंट्स, बैंकर्स और अन्य लोगों के नेटवर्क की एक सदस्य है। इस नेटवर्क में वे लोग भी शामिल हैं, जो अपने मुवक्किलों के लिए विदेशों में कंपनियां बनाते हैं और उनके बैंक खातों का प्रबंधन करते हैं। इनका दावा है कि ये कोई गैर कानूनी काम नहीं करते। हालांकि ये कानूनों का लाभ उठाकर निजी व्यक्तियों और कंपनियों को धन बचाने और छिपाने में मदद करते हैं इस सच से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है। किंतु इनका गला पकड़ना अत्यंत कठिन है। यहां यह जानना भी जरूरी है कि ऐप्पलबाय का दूसरा सबसे बड़ा मुवक्किल एक भारतीय कंपनी है, जिसकी दुनियाभर में करीब 118 सहयोगी कंपनियां हैं। ऐप्पलबाय के भारतीय मुवक्किलों में कुछ बड़े कॉर्पोरेट्स और कंपनियां हैं। इसे भी अपने कारोबार की चिंता है। इसने जांच में पूरा सहयोग करने का भरोसा दिया है। दस्तावेज में जितने नाम अभी तक आए हैं उन सबका उल्लेख करना यहां आवश्यक नहीं है। चूंकि इनमें दुनिया भर की बड़ी हस्तियों के नाम हैं, इसलिए भारत के साथ दुनिया भर के उन देशों की इससे संबंधित गतिविधियों पर भी नजर रखनी होगी। कोई दस्तावेज कहीं किसी कम्प्यूटर से उड़ा लेना और फिर उसके एक-एक पहलू की जांच कर सच्चाई तक पहुंचने में आकाश और पाताल का अंतर होता है। इस कटु यथार्थ को हमें समझना चाहिए। यदि केवल कर बचाने के लिए निवेश किया गया है तो आप उसे अनैतिक तो कह सकते हैं, इसके लिए उसे सजा नहीं दी जा सकती। फिर भी भारत एवं दुनिया भर में होने वाली जांच के परिणामों की प्रतीक्षा करेंगे।

चलते चलते

''संस्कृति'

विदेशों में ''नीतियों' को समझने-समझाने के नाम पर देश और विदेशी मुल्कों के खूब दौरे होते हैं। लेकिन कुछ अपवादों को दरकिनार कर दें तो जिन उद्देश्यों के लेकर दौरे होते हैं, वो शायद ही कभी धरातल पर दिखते हों या हकीकत का जामा पहनते हों।

सरकारी खर्चे पर पर्यटन। मतलब सरकार का काम दिखाकर अधिकारियों द्वारा सैर-सपाटा सत्ता के गलियारों में बेहद पसंदीदा ''संस्कृति' है। विदेशों में ''नीतियों' को समझने-समझाने के नाम पर देश और विदेशी मुल्कों के खूब दौरे होते हैं। लेकिन कुछ अपवादों को दरकिनार कर दें तो जिन उद्देश्यों के लेकर दौरे होते हैं, वो शायद ही कभी धरातल पर दिखते हों या हकीकत का जामा पहनते हों। इस पर लगाम लगाने की कवायद तो पिछले साल ही केंद्र सरकार ने शुरू की, मगर उसे और कसने की कवायद अमल में लाई जा रही है। इसके तहत विदेश भ्रमण पर गए सभी अधिकारियों को इसका ब्योरा देने को कहा गया है। 31 दिसम्बर से पहले संबंधित मंत्रालय को इसकी विस्तृत जानकारी-जिसमें दौरा किसलिए था, उसमें क्या हासिल हुआ, कैसे अमुक नीति का स्थानीय स्तर पर फायदा होगा और इसमें कितना खर्च आया? सूचना को मंत्रालयों की वेबसाइट पर चस्पा यानी इसे सार्वजनिक किए जाने की भी बात है। वैसे कार्मिक एंव प्रशिक्षण विभाग ने पिछले साल ही इस संबंध में आदेश जारी किया था। गैर आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2017 में अधिकारियों ने 700 के करीब दौरे किए। लेकिन एक-आध को छोड़ दें तो दौरों से संबंधित कोई जानकारी सावजनिक नहीं है। सो, दौरे के बाबत इस निर्देश के दो उद्देश्य हैं। पहला; दौरे सिर्फऔचारिक न हो बल्कि उपयोगी भी हों। दूसरा: दौरे में 50 फीसद की कटौती। दौरे पर हर साल 10 करोड़ का खर्च आता है। इसमें एक रास्ता यह भी निकाला गया है कि जहां पर सिर्फप्रतिनिधित्व की बात हो, वहां स्थानीय उच्चायोग के किसी अधिकारी को भेज दिया जाए। सरकार ने अधिकारियों को अधिकतम 4 दौरे और 5 दिन की समयसीमा तय करते हुए, उनके व्यक्तिगत दौरों के खर्च से खुद को अलग कर लिया है। इस निर्णय में सबसे अहम बात है दौरों का प्रधानमंत्री कार्यालय से स्वीकृति। साथ में सख्ती करते हुए लम्बे समय तक विदेश में रुकने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की बात भी शामिल है। कुछ मामलों में गाज भी गिरी है। बेहतर होगा सरकार नौकरशाहों के साथ-साथ मंत्रियों पर भी यही नियम-कानून लागू करे। देश में आयोजित कांफ्रेंस और सेमिनार का भी फीडबैक ले तो बेहतर होगा। अगर दौरे पर संबंधित मंत्रालय से जुड़े विशेषज्ञों को भेजा जाता है तो इसका प्रतिफल भी दिखेगा।

मुद्दा

सकल घरेलू उत्पाद

राजनीतिक अस्थिरता, वित्तीय कुप्रबंधन और फिजूलखर्ची के बावजूद उत्तराखंड का अपने से 46 साल सीनियर हिमालयी पड़ोसी हिमाचल से प्रतिव्यक्ति आय और सकल घरेलू उत्पाद जैसे मामलों में आगे निकल जाना उसकी विकास की भारी संभावनाओं का स्पष्ट संकेतक तो है मगर जिस तरह वित्तीय कुप्रबंधन से नया राज्य कर्ज तले डूबा जा रहा है और आए दिन राजनीतिक प्रपंचों से लोगों का मोहभंग हो रहा है उसे देखते हुए आवाजें उठनें लगी हैं कि अगर यह राज्य हिमाचल की तरह शुरू में केंद्र शासित प्रदेश बन गया होता या फिर मैदानी उत्तर प्रदेश या संयुक्त प्रांत में मिलने के बजाय इसे शुरू में हिमाचल के साथ जोड़ दिया गया होता तो वह हिमालयी राज्यों के लिए विकास के एक रोल मॉडल के रूप में जरूर उभरता। सन् 2000 के नवम्बर महीने में जन्मे छत्तीसगढ़ (1 नवम्बर), उत्तराखंड (9 नवम्बर) और झारखंड (15 नवम्बर) में से उत्तराखंड अन्य दो राज्यों में से न केवल प्रति व्यक्ति आय में बल्कि कई अन्य मामलों में आगे निकल गया है। प्रति व्यक्ति आय और सकल घरेलू उत्पाद के मामले में इस नये राज्य ने अपने से 46 साल सीनियर हिमाचल प्रदेश को भी पीछे छोड़ दिया है। इन 17 सालों में छत्तीसगढ़ में राजनीतिक स्थायित्व के बावजूद प्रति व्यति आय 91,772 रुपये और सकल घरेलू उत्पाद 2,90,140 करोड़ तक पहुंचा है। उत्तराखंड की ही तरह राजनीतिक झंझावात झेल रहे झारखंड की हालत तो इतनी खराब है कि बकौल राष्ट्रीय विकास परिषद उस राज्य को प्रति व्यक्ति आय के मामले में राष्ट्रीय औसत छूने में अभी और 17 साल लगेंगे। उसकी प्रति व्यति आय अभी 59,114 रुपये तक ही पहुंची है।

नये राज्य ही क्यों? 25 जनवरी 1971 को अस्तित्व में आए हिमाचल प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1,30,067 और राज्य सकल घरेलू उत्पाद 1,24,570 करोड़ ही पहुंच पाया है। जबकि उत्तराखंड में प्रति व्यक्ति आय 1,51,219 रुपये और सकल घरेलू उत्पाद चालू भावों पर राज्य के जीएसडीपी का 1,84,091 करोड़ तक पहुंच गया है। इधर उत्तराखंड में सत्ता की छीना झपटी और संसाधनों की ऐसी बंदरबांट शुरू हुई कि प्रदेश कम आमदनी और ज्यादा खर्चों के कारण कर्ज के बोझ तले दबता चला गया।

हिमाचल प्रदेश पर 46 सालों में केवल 38,568 करोड़ रुपये का कर्ज चढ़ा है, जबकि नेताओं और नौकरशाही की फिजूलखर्ची के कारण उत्तराखंड मात्र 17 सालों में लगभग 45 हजार करोड़ का कर्ज से दब चुका है, जिसका ब्याज ही प्रति वर्ष लगभग 4500 करोड़ तक चुकाना पड़ रहा है। अगर दोनों राज्यों के चालू वित्त वर्ष के बजट की तुलना करें तो हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस बार वेतन पर 26.91 प्रतिशत राशि, पेंशन पर 13.83 प्रतिशत, कर्ज के ब्याज के लिए 9.78 प्रतिात राशि रखी है। जबकि उत्तराखंड सरकार ने वेतन भत्तों पर 31.01 प्रतिशत, पेंशन पर 10.71 प्रतिशत और ब्याज अदायगी के लिए 11.04 प्रतिशत धन का प्रावधान रखा है। विकास के लिए हिमाचल के बजट में 39.35 प्रतिशत तो उत्तराखंड के बजट में मात्र 13.23 प्रतिशत राशि का प्रावधान रखा गया है। वह भी तब खर्च होगी जबकि केंद्र सरकार आर्थिक मदद मिलेगी।

अन्यथा राज्य सरकार के पास विकास के लिए एक पैसा भी नहीं है। वर्तमान बजट में राज्य के करों और करेत्तर राजस्व के साथ केंद्रीय करों से मिले राज्यांश को मिला कर उत्तराखंड का कुल राजस्व लगभग 21 हजार करोड़ है और अब तक इतनी ही राशि उसे वेतन, पेंशन, ब्याज और अन्य खर्चों पर व्यय करनी पड़ रही है। लेकिन सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करने के बाद चार्च इतना बढ़ गया कि राज्य को हर माह वेतन आदि के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये प्रति माह कर्ज लेना पड़ रहा है। हिमाचल जब केंद्र शासन के अधीन गया तो पहली पंचवर्षीय योजना में उसके विकास की आधा रकम वहां सड़कों का जाल बिछाने पर खर्च की गई। इस बीच वह पार्ट सी का राज्य भी रहा।

नेक नीयत की सफलता

आभा स्वामी

यह निर्विवाद है कि साल भर पहले आज के ही दिन घोषित हुई नोटबंदी स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे व्यापक और दूरगामी प्रभाव वाला निर्णय था। इसका असर अच्छा हुआ या बुरा, इस पर जरूर मतभेद हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काले धन के खिलाफमहती अभियान के रूप में इस कदम का एलान किया था। साथ ही अपेक्षा की गई कि इससे जाली नोटों के चलन और आतंकवादियों तक पहुंचने वाले धन के स्रोतों पर रोक लगेगी। बाद में डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देना भी नोटबंदी लागू करने के उद्देश्यों में जोड़ा गया। ये मकसद हासिल हो जाएं, तो इसमें कोई संदेह नहीं कि भारतीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक लाभ होगा। इससे स्वच्छ कारोबार का रास्ता साफ होगा, कर राजस्व बढ़ेगा और दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था की साख बढ़ेगी। इन तमाम लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक साल बहुत छोटी अवधि है। अत: नोटबंदी के फैसले की पहली सालगिरह पर आकलन का विषय यह है कि क्या इस दिशा में प्रगति हुई? केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने यह महत्वपूर्ण जानकारी दी है कि बैंकों में लौटे रुपयों से ये पता चला कि उन पर किसकी मिल्कियत है। कुल लौटे धन का एक तिहाई हिस्सा सिर्फडेढ़ लाख लोगों ने जमा कराया। जाहिर हुआ कि 18 लाख लोगों की संपत्ति उनकी आमदनी से ज्यादा है। ऐसे तमाम लोग अब आयकर विभाग की पूछताछ के दायरे में हैं। यानी नोटबंदी से काले धन पर शिकंजा कसने में सचमुच मदद मिली है। देशभर में डिजिटल लेन-देन भी बढ़ा, यह आम तजुर्बा है। इसलिए डॉ. मनमोहन सिंह के इस दावे से शायद ही कोई सहमत हो कि 'नोटबंदी संगठित और कानूनी लूट थी। इस बयान पर यदि अरुण जेटली ने पूर्व प्रधानमंत्री को उनके शासनकाल में हुए घोटालों की याद दिलाई, तो यह तार्किक ही है।

बेहतर होता कि नोटबंदी की सालगिरह पर ऐसी सियासी तू-तू,मैं-मैं नहीं होती। इसके बदले इस फैसले के असर का वस्तुगत विश्लेषण किया जाता। इतने बड़े कदम से आम आर्थिक जिंदगी में व्यवधान नहीं पड़ता, यह संभव नहीं था। बेशक, नोटबंदी के चलते आमजन को दिक्कतें झेलनी पड़ीं। लेकिन कुल लाभ-हानि का जायजा लिया जाए, तो यही कहा जाएगा कि एनडीए सरकार ने वो निर्णय देश के व्यापक हित में लिया था। भले ही गति धीमी हो, लेकिन उसके उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति हो रही है। आम जनता ने इसके महत्व को समझने की अद्भुत समझ दिखाई है। नोटबंदी के बाद हुए चुनावों के नतीजों से स्पष्ट है कि आम मतदाता काले धन के खिलाफ नरेंद्र मोदी के अभियान के साथ है।

इसके बावजूद विपक्ष का आज 'काला दिवसमनाना जनमानस को समझने की उसकी अक्षमता जाहिर करता है। जबकि सत्ता पक्ष के 'काला धन विरोधी दिवसको लोग अधिक गंभीरता से लेंगे। इसलिए कि नोटबंदी जैसा बड़ा फैसला लेने का साहस और इस कदम को तार्किक मुकाम तक ले जाने का दृढ़-निश्चय दिखाने के बाद वह इस एजेंडे के साथ जनता के बीच जा रहा है। आखिर लोग यही चाहते हैं कि अपना देश भ्रष्टाचार और काले धन से स्थायी रूप से मुक्ति पा ले।

निकाय चुनाव: 14 दिन में 32 रैलियां करेंगे सीएम योगी, अयोध्या से होगी शुरुआत

लखनऊ. निकाय चुनावों में भाजपा की जीत के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कमान संभाल ली है। वह हर नगर निगम में इस बार एक-एक जनसभा करेंगे। योगी आदित्यनाथ प्रचार अभियान की शुरुआत पहली बार नगर निगम बने अयोध्या के साथ करेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ 14 नवंबर को अयोध्या से निकाय चुनाव के प्रचार अभियान का आगाज करेंगे।

राजनीति का केन्द्र बिन्दु है अयोध्या

अयोध्या को देश की राजनीति का केंद्र बिन्दु माना जाता है। निकाय चुनावों के प्रचार की शुरुआत योगी आदित्यनाथ यहीं से करेंगे। शहरी स्थानीय निकाय चुनाव राज्य में सत्ताधारी भाजपा के लिए परीक्षा है।

वहीं, विपक्षी दल भी कमर कर ली है। विधानसभा चुनावों के प्रदर्शन को दोहराने का दबाव भाजपा पर रहेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने यह एक बड़ी चुनौती है।

कब कहां प्रचार करेंगे योगी आदित्यनाथ

14 नवंबर- अयोध्या, गोंडा, बहराइच
15 नवंबर- कानपुर
16 नवंबर- अलीगढ़, मथुरा, आगरा
17 नवंबर- इलाहाबाद
18 नवंबर- मुजफ्फरनगर, मेरठ और गाजियाबाद
19 नवंबर- गाजीपुर, देवरिया
20 नवंबर- बलरामपुर, बस्ती और गोरखपुर
21 नवंबर- जौनपुर, बलिया, मऊ
22 नवंबर- वाराणसी
23 नवंबर- शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद और कन्नौज
24 नवंबर- झांसी, फतेहपुर और लखनऊ।
25 नवंबर- बाराबंकी, लखीमपुर, बरेली
26 नवंबर- मुरादाबाद, सहारनपुर
27 नवंबर- कुशीनगर में रैली करेंगे।

अयोध्या से ही शुरुआत क्यों

योगी आदित्यनाथ की अयोध्या से निजी आस्था है। अयोध्या दौरे के समय योगी ने कहा भी था की अयोध्या उनकी निजी आस्था है और विपक्षी दलों को इस बारे में सवाल उठाने का अधिकार नहीं है।

दीवाली समारोह को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में दीवाली मनाकर उन्होंने कोई नयी परंपरा नहीं शुरू की है बल्कि भगवान राम के वनवास पूरा कर घर लौटने पर खुशियां मनाने की सदियों पुरानी परंपरा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा के पहले ऐसे सीएम हैं जो अयोध्या पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। योगी आदित्यनाथ भाजपा के हिन्दुत्व के मुद्दे को आगे बढ़ा रहे हैं और 2018 में राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया को शुरू करने पर जोर दे रहे हैं।

उन्होंने बताया- "योगी आदित्यनाथ पहले ऐसे सीएम हैं जो सीएम रहते हुए अयोध्या पहुंचे थे और वहां पूजा की थी। कल्याण सिंह ने बतौर मुख्यमंत्री अयोध्या के विकास पर ध्यान दिया था पर योगी आदित्यनाथ से ज्यादा नहीं।"

अयोध्या को नगर निगम घोषित करने का आदेश यूपी के तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दिया था जिसे योगी ने मुख्यमंत्री बनने के बाद लागू कर दिया। जबकि योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश सरकार के कई कामों में जांच के आदेश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि- "अयोध्या में चुनाव प्रचार की शुरुआत का मुख्य उद्देश्य भाजपा के एजेंडे को आगे बढ़ाना है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसी पर काम कर रहे हैं।"

2 घंटे चला शख्स को बचाने का रेस्क्यू

कानपुर.यहां सचेंडी थाना क्षेत्र में घने कोहरे के कारण गिट्टी भरे एक डंपर ने सड़क पर खड़े एक ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ड्राइवर ट्रक में ही फंस गया। स्थानीय लोगों ने उसे गाड़ी से निकालने के लिए बहुत कोशिश की लेकिन कामयाब न हो सके। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीवी व गैस कटर की मदद से 2 घंटे में ड्राइवर को बाहर निकाला। इस दौरान हाईवे पर लंबा जाम लग गया। बता दें कि सोमवार को चकरपुर मंडी के सामने सड़क पर प्याज लदा एक ट्रक खड़ा था। पीछे से तेज रफ्तार में आ रही डंफर ट्रक में जा घुसा। तेज रफ्तार होने के कारण डंपर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और ड्राइवर बुरी तरह फंस गया। स्थानीय लोगों ने इस की सूचना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी मशीन व गैस कटर की मदद से ड्राइवर को करीब 2 घंटे बाद निकाला गया।

सीएम ऑफिस के बाद अब प्राइमरी की किताबों में चढ़ेगा भगवा रंग, बेसिक शिक्षा विभाग ने बनाया प्लान

लखनऊ. यूपी की योगी सरकार जल्द ही बेसिक शिक्षा विभाग के कवर पेज को भगवा रंग में रंगने जा रही है। इसके पीछे भगवा रंग का वैज्ञानिक तथ्य बताया जा रहा है। जिसमें छोटे बच्चों में पॉजिटिव एनर्जी डेवलप होने की बात कही गई है। इसके अलावा "पढ़ेगा प्रदेश तो बढ़ेगा प्रदेश", "पढ़ेगा बच्चा तो बढ़ेगा चच्चा" का स्लोगन दिया जाएगा। विभागीय सूत्रों अनुसार इस पर प्लान किया जा रहा है, जिसपर सीएम योगी आदित्यनाथ की मुहर लगना बाकी है। 2017-2018 सत्र में होगा बदलाव

बेसिक एजुकेशन डिपार्टमेंट 8वीं तक दिए जाने वाली मुफ्त किताबों के कवर पर भगवा रंग चढ़ाने का प्लान बन गया है। जल्द ही इसे सीएम योगी की सहमति के बाद इसमें बदलाव शुरू कर दिए जाएंगे। इस बदलाव को अगले सत्र से लागू किया जाएगा, जिसमें 2017-2018 के लिए जारी होने वाली किताबों में बदलाव किया जाएगा।

1लाख स्कूलों में 4लाख से ज्यादा बच्चे

यूपी में 1 लाख से ज्यादा बेसिक स्कूल हैं। जिनमें लगभग 4लाख से ज्यादा बच्चों को पढ़ाया जाता है। इनको शिक्षा के अधिकार के तहत 8वीं तक के बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जाती है। जिसमें किताब व ड्रेस, भी मुफ्त दी जाती है, लेकिन मार्च 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद से सीएम योगी ने जूता, मोजा और स्वेटर मुफ्त देने की घोषणा की थी। जिसको इसी सत्र से बांटा जा रहा है।

फ्रंट कलर भगवा अंदर नेचुरल ग्रीन कवर

इसमें फ्रंट कलर भगवा कलर होगा, जिसमें एक ओर सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो दूसरी साइड डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा की फोटो और बीच में स्लोगन होगा, 'पढ़ेगा प्रदेश तो बढ़ेगा प्रदेश।' इसके अलावा कवर पेज के अंदर साइड नेचुरल ग्रीन कलर होगा, जिसमें प्रकृति को दिखाया जाएगा। किताब के पीछे एक दूसरा स्लोगन दिया होगा, 'पढ़ेगा बच्चा तो बढ़ेगा चच्चा।' जिसमें एक किसान के पास छोटा सा बच्चा खेतों के पास बैठकर पढ़ता हुआ नजर आएगा।वहीं बेसिक शिक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने कोई भी कमेंट करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि- ये निणर्य बड़े स्तर पर होते हैं, हम तो बस उनको पूरा करने का काम करते हैं।

भाजपा ने क्या कहा

मुफ्त किताब, जूता, मोजा, बैग देकर सीएम योगी ने पूरी तरह से शिक्षा को बढ़ावा दिया है। मसला भगवा रंग को नहीं, बल्कि अच्छी पॉजिटिव सोच के साथ बच्चों को पढ़ाने का है।

सीएम ऑफिस भी हो चुका है भगवा

भाजपा सरकार बनते ही पूरे प्रदेश में भगवा रंग चढ़ने लगा है। सीएम योगी जहां भी बैठते हैं वहां भगवा रंग की तौलिया पहले से डाल दी जाती है। पूरे सीएम ऑफिस को पिछले महीने ही भगवा रंग मे रंगने का काम चल रहा था।

लखनऊ एयरपोर्ट पर व्हीलचेयर से गिरी पैसेंजर, इंडिगो ने कहा- फ्लोर पर था क्रैक

लखनऊ.चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर एक पैसेंजर व्हीलचेयर से गिर गईं। घटना के लिए इंडिगो एयरलाइन्स ने माफी मांगी लेकिन साथ ही फ्लोर पर एक क्रैक (छोटा गड्ढे) को हादसे की वजह बताया। एयरलाइन्स ने इस क्रैक का फोटो भी जारी किया। बता दें कि कुछ दिनों पहले इंडिगो के एक स्टाफ मेंबर ने बुजुर्ग पैसेंजर से मारपीट की थी। इसका वीडियो वायरल हुआ था। एयरलाइन्स ने इस घटना पर माफी मांगते हुए दो स्टाफ मेंबर्स को टर्मिनेट कर दिया था। घटना 11 नवंबर यानी शनिवार की है। इंडिगो की फ्लाइट से एक महिला पैसेंजर उर्वशी पारीख उतरीं। उनको व्हीलचेयर पर अराइवल हॉल की तरफ लाया जा रहा था। इंडिगो के मुताबिक- रात को करीब 8 बजे हमारा स्टाफ मेंबर व्हीलचेयर पर उर्वशी को अराइवल हॉल की तरफ ला रहा था। इसी दौरान, व्हील चेयर एक क्रैक में फंस गई। इससे व्हीलचेयर का बैलेंस बिगड़ा और पैसेंजर गिर गईं। हम घटनास्थल की फोटो जारी कर रहे हैं। इसमें क्रैक को देखा जा सकता है।

एयरलाइन्स ने आगे कहा, "गिरने से उर्वशी पारिख को चोटें आईं। हमारा स्टाफ उन्हें फौरन एयरपोर्ट अथारिटी ऑफ इंडिया के डॉक्टर के पास लेकर गया। उसी वक्त हमारे टर्मिनल मैनेजर ध्रुव ज्योति मुखर्जी ने उर्वशी पारिख से घटना पर माफी मांगी। उर्वशी पारिख ने खुद माना कि यह ह्यूमन एरर नहीं था। हम फिर भी उनसे इस घटना पर माफी मांगते हैं।' इंडिगो पिछले हफ्ते भी गलत वजहों से खबरों में आई थी। 15 अक्टूबर को इसके एक स्टाफ ने बस में चढ़ने को लेकर एक बुजुर्ग पैसेंजर से मारपीट की थी।

पढ़ाई के लिए पड़ी डांट, गुस्से में 80 फीट ऊंचे टंकी पर चढ़ी लड़की

मेरठ. यूपी के मेरठ में रविवार को एक नाबालिक लड़की 80 फुट उंची पानी की टंकी पर चढ़कर सुसाइड करने पहुंच गई। जिसे उतारने के लिए पुलिस को घंटो मशक्कत करनी पड़ी। बताया जा रहा है कि परिजनों की डांट से नाराज किशोरी ने ये कदम उठाया।

रविवार दोपहर पल्लवपुरम फेस वन स्थित मधुर एन्क्लेव के निवासियों ने पानी की टंकी पर एक लड़की को चढ़ते देखा। उसे रोकने के लिए लोगों ने आवाज लगाई तो उसने नीचे कूदने की धमकी देने लगी।

नरेन्द्र गिरि से मिले वसीम रिजवी, बोले- राम की धरती है अयोध्या, वहीं बनेगा मंदिर

इलाहाबाद. शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी ने इलाहाबाद में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी ने कहा, "अयोध्या राम की धरती है, वहां राम का ही मंदिर बनेगा। अगर मुस्लिम समुदाय चाहता है कि मस्जिद बने, तब मुस्लिम आबादी को देखते हुए एक मस्जिद का निर्माण कराया जा सकता है। वैसे फैजाबाद और अयोध्या में रहने वाले मुसलमानों के लिए पर्याप्त मस्जिदें हैं।" सुन्नी वक्फ बोर्ड का कोई अधिकार नहीं: वसीम रिजवी

मुलाकात के बाद वसीम रिजवी ने कहा, "बातचीत को लेकर सुन्नी वक्फ बोर्ड का कोई अधिकार नहीं बनता है। मस्जिद शियाओं की है। इस मामले का हल शिया वक्फ बोर्ड ही निकालेगा। लोगों की भावनाओं और हित को देखते हुए अयोध्या में उसी जगह पर राम मंदिर का निर्माण होगा।" वसीम रिजवी ने दावा किया कि, "बातचीत अपने आखिरी स्टेज में हैं। बातचीत और चर्चा के बाद सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करेंगे।"

शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी ने कहा, "1944 में ही सुन्नी वक्फ बोर्ड का रजिस्ट्रेशन सिविल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो चुका है।वो पूरी तरीके से अवैध है। इस तरीके से जब उनका अधिकार ही नहीं, सुन्नी वक्फ बोर्ड क्यों हस्तक्षेप कर रहा है।"

राम मंदिर को लेकर की थी मुलाकात

शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। 20 मिनट के मुलाकात के बाद रिजवी ने मीडिया से कहा, "मैंने राम मंदिर बनाने को लेकर मुलाकात की है। जिस स्थान पर मंदिर है, वहां मंदिर ही बनेगा। मस्जिद किसी मंदिर को गिराकर नहीं बनाई जा सकती, इसलिए उसे अयोध्या से बाहर या दूर किसी मुस्लिम क्षेत्र में बनाने पर हमने बात की है।मैं सभी पक्षकारों से बात कर रहा हूं। सभी ने करीब-करीब मंदिर पर सहमति दे दी है।

पक्षकारों ने जताई थी नाराजगी

शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी की सीएम योगी से मुलाकात के बाद कई पक्षकारों ने नाराजगी जताई थी। एक मुस्लिम पक्षकार हाजी महबूब ने अपनी बात रखते हुए कहा था- "घोटालेबाज वसीम रिजवी की औकात ही नहीं वह इस विवाद में अपनी बात रखेंगे।"

बिहार

लालू के 'भूरे चूहा' बयान पर सीएम नीतीश ने कहा विकास से उन्हें लेना देना नहीं

पटना.तटबंध घोटाले पर लालू के बयान पर सीएम नीतीश कुमार ने पलवार करते हुए कहा कि लालू प्रसाद को विकास से कोई लेना देना नहीं है। लालू प्रसाद ने रविवार को तटबंध घोटाले पर हमला करते हुए कहा था कि बिहार के तटबंधों को भूरे चूहा खा रहे हैं। लालू के इस बयान के बाद से ही बिहार की राजनीति तेज हो गयी थी। भाजपा ने लालू के इस बायन पर कहा था कि लालू प्रसाद बिहार में जातीय उन्माद फैलाना चाहते हैं। मंत्री दे चुके हैं जवाब...

लालू प्रसाद ने रविवार को बिहार में तटबंध घोटाले पर हमला करते हुए कहा था कि बिहार के तटबंधों को 'भूरे चूहा' खा रहे हैं।

लालू प्रसाद ने इसके बाद अपने एक ट्वीट में कहा था कि बिहार में घोटालों के सेल लगे हुए हैं।

एक घोटाला करने पर तीन और करने की यहां पर छूट है। सीएम नीतीश कुमार सोमवार को इसपर पलटवार करते हुए कहा कि लालू प्रसाद को विकास से कोई लेना देना नहीं है। वो मीडिया में बने रहने के लिए इस प्रकार के बयान दिया करते हैं। बिहार के तटबंध घोटाले पर पहले ही सरकार के मंत्री जवाब दे चुके हैं।

पूरे मामले की जांच चल रही है।

भाजपा ने भी लालू के भूरे चूहा वाले बयान पर एतराज जताया है। भाजपा ने लालू के इस बायन पर कहा था कि लालू प्रसाद बिहार में जातीय उन्माद फैलाना चाहते हैं। मंत्री दे चुके हैं जवाब...

लालू प्रसाद ने रविवार को बिहार में तटबंध घोटाले पर हमला करते हुए कहा था कि बिहार के तटबंधों को 'भूरे चूहा' खा रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार सोमवार को इसपर पलटवार करते हुए कहा कि लालू प्रसाद को विकास से कोई लेना देना नहीं है। वो मीडिया में बने रहने के लिए इस प्रकार के बयान दिया करते हैं। बिहार के तटबंध घोटाले पर पहले ही सरकार के मंत्री जवाब दे चुके हैं।

भाजपा विधायक नीतीन नवीन ने कहा कि लालू शुरू से जात पात की राजनीति करते रहे हैं। वो समाज जोड़ने का नहीं तोड़ने का काम किया करते हैं।

ईडी के सामने पेश हुए तेजस्वी, आय से अधिक संपत्ति मामले में हो रही पूछताछ

पटना.आयकर विभाग से सातवीं बार नोटिस मिलने पर पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सोमवार को ईडी के सामने पेश हुए। तेजस्वी सुबह 11 बजे दिल्ली स्थित आयकर विभाग के ऑफिस में गए। ईडी के ऑफिसर रेलवे टेंडर घोटाले से अर्जित संपत्ति मामले में तेजस्वी से पूछताछ कर रहे हैं। गौरतलब है कि तेजस्वी यादव से दिल्ली स्थित सीबीआई दफ्तर में 10 अक्टूबर को 8 घंटे लंबी पूछताछ हुई थी। तब सीबीआई ने करीब 54 सवाल किए थे। तेजस्वी ने ज्यादातर सवालों का जवाब हां और ना में दिया था। इसी केस में बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी भी ईडी के नोटिस को लगातार नजरअंदाज कर रही हैं।

ससुर ने दौड़ा-दौड़ाकर बहू को मारी तीन गोलियां, गंभीर स्थिति में भर्ती

बिहारशरीफ. बिहार के नालंदा जिले के नकटपुरा गांव में रविवार को चचेरे ससुर ने दौड़ा-दौड़ाकर पिटाई करने के बाद बहू को तीन गोलियां मार दी। महिला को गोली मारने के पहले बदमाशों ने आधा दर्जन चक्र हवाई फायरिंग कर गांव में दहशत फैला दी। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण भागकर अपने-अपने घरों में जा छिपे। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। गंभीर स्थिति में भर्ती...

ग्रामीणों परिजनों के सहयोग से चिंताजनक हालत में जख्मी कन्हैया प्रसाद की पत्नी संगीता देवी को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। महिला को दो गोली दाहिने पैर की जांघ में एक पंजड़ी में लगी है। दिनदहाड़े महिला को गोली मारने जाने की सूचना के बाद पुलिस महकमें हड़कंप मच गई। सदर अस्पताल में जख्मी महिला कराह रही थी। सास उर्मिला देवी जख्मी बहू को ढाढ़स दे रही थी कि तुम्हें मरने नहीं दूंगी। जख्मी महिला के शरीर से लगातार रक्तस्राव हो रहा था।

जमीन को लेकर था विवाद

कन्हैया प्रसाद का उनके चाचा बौद्धु प्रसाद से तीन बीघा जमीन का विवाद वर्षों से चला रहा था। आए दिन मारपीट कहासुनी होते रहती थी। दोपहर में संगीता देवी अपने परिजनों के साथ दालान में धान का बोझा लगा रही थी। उसी दौरान बौद्धु प्रसाद अपने सहयोगियों के साथ पहुंचा और महिला की पिटाई करने लगा। बदमाश महिला को दौड़ा-दौड़ाकर पीट रहे थे। हथियार के भय से ग्रामीण बीच-बचाव को आगे नहीं आए। मारपीट के बाद बौद्धु यादव के कहने पर बखोरी और फुद्दन ने महिला को गोली मार दी।

पूर्व सीएम मांझी के कारकेड का ड्राइवर नशे में अरेस्ट, ठीक नहीं कर पा रहा था ड्राइविंग

पटना। पत्रकार नगर पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के कारकेड के स्कार्ट वन के चालक सिपाही ओमप्रकाश पासवान को नशे की हालत में गिरफ्तार किया। वह मनेर का रहने वाला है। उसे हनुमान नगर की एमआईजी कॉलोनी स्थित पूर्व मुख्यमंत्री के निजी आवास से गिरफ्तार किया। ओमप्रकाश पटना पुलिस जिला बल का चालक सिपाही है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसे थाने ले गई। ब्रेथ एनालाइजर से जांच पर उसके ब्लड में अल्कोहल की मात्रा 120 पाई गई। सिटी एसपी पूर्वी विशाल शर्मा ने कहा कि वह नशे की हालत में था। मेडिकल जांच के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। साथ ही वरीय अधिकारियों को भी इस संबंध में सूचना दे दी गई है। पूर्व सीएम शनिवार की रात अपने निजी आवास पर ही रह गए थे। उन्हें वहां छोड़ने के बाद उनका कारकेड स्ट्रैंड रोड स्थित उनके सरकारी आवास पर लौट आया था। रविवार की सुबह तकरीबन साढ़े नौ बजे स्ट्रैंड रोड से कारकेड पूर्व सीएम को लेने एमआईजी कॉलोनी गई। इसी दौरान कारकेड में साथ चल रहे सुरक्षाकर्मियों को शक हो गया कि ओमप्रकाश गाड़ी ठीक से नहीं चला रहा है। एमआईजी कॉलोनी पहुंचने पर जब सुरक्षाकर्मियों ने उससे बात की तो यह साफ हो गया कि ओमप्रकाश शराब के नशे में है।

बड़ा सवाल- कहां पी शराब

बड़ा सवाल यह है कि आखिर उसने शराब कहां पी सूत्रों की मानें तो वह पुलिस लाइन के बैरक में ही रहता था। हर रात ड्यूटी पूरी करने के बाद वह पुलिस लाइन चला जाता था। मालूम हो कि इससे पहले भी पुलिस लाइन से शराब के नशे में दो पुलिसकर्मी गिरफ्तार हो चुके हैं। सिटी एसपी पूर्व ने कहा कि ओमप्रकाश ने शराब कहां पी इसकी जानकारी अभी नहीं मिली है। अनुसंधान में इस बात का भी पता लगाया जाएगा। पटनाआरपीएफ की टीम ने बख्तियारपुर स्टेशन पर शराब से भरा आठ बैग बरामद किए। बैग में विदेशी शराब के 48 बोतल और 495 टेट्रा पैक शराब है। इस शराब की बाजार कीमत तकरीबन डेढ़ लाख बताई जा रही है। बैग के साथ दो शातिर भी था जो मौके से फरार हो गया।

आईबीपीएस एग्जाम से पकड़े गए 27 फर्जी परीक्षार्थी, एक भाग गया

गया.आईबीपीएस के द्वारा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में विभिन्न पदों पर नियुक्ति को लेकर आयोजित ऑनलाइन परीक्षा में गया के केन्द्र पर बड़े फर्जीवाड़े का मामला रविवार को सामने आया। शहर के चंदौती थाना अंतर्गत कुजापी स्थित सिद्धी विनायक कम्युटेक सेन्टर में पुलिस की अचानक छापेमारी हुई। इस दौरान फर्जी तरीके से परीक्षा दे रहे एक के बाद एक करके 27 परीक्षार्थियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि कार्रवाई के क्रम में एक परीक्षार्थी पुलिस को चकमा देते हुए मौके से निकल जाने में सफल रहा। बायोमेट्रिक सिस्टम प्रणाली के बाद भी जालसाजी ...

बताया जा रहा कि रविवार को इस परीक्षा को लेकर इस सेन्टर में 108 परिक्षार्थी शामिल हुए थे। बायोमेट्रिक सिस्टम प्रणाली के बीच भी 28 परीक्षार्थी दूसरे के बदले परीक्षा देने लगे थे। यह सब तब हो रहा था, जब परीक्षार्थियों को एडमिट कार्ड जारी किया गया हो और उसपर तस्वीरें भी लगी हों। यह समझ से परे है, कि दो केन्द्राधीक्षकों के बीच भी यह कैसे संभव हो गया और दूसरे की सीटों पर बैठकर कैसे परीक्षा देने लगे। फिलहाल यह मामला सीधा और सामान्य नहीं माना जा सकता। बड़े सौदे और सेटिंग के बीच बड़े रैकेट की बात सूत्र बता रहे। मुम्बई से मिली गड़बड़ी की सूचना

जानकारी के अनुसार ऑनलाइन ली जा रही इस परीक्षा को लेकर मुम्बई से ही कुछ निर्देश गया के संबंधित अधिकारी को दिए गए थे। गड़बड़ी की सूचना मिलते ही चंदौती थाने की पुलिस काफी संख्या में बलों को लेकर मौके पर पहुंची। इसके बाद छापेमारी शुरू की तो गड़बड़ियां और फर्जीवाड़े की फेहरिस्त लंबी होती चली गई।

लड़की की फोटो दिखा मां ने कहा इसे प्यार करता था मेरा बेटा, लटका दिया शव

समस्तीपुर. गुरुवार को बिहार के समस्तीपुर जिले में एक युवक की लाश मिली थी। पेड़ से लटक रहे शव के गर्दन में फांसी का फंदा कसा था। रविवार को इस मामले में नया मोड़ आया। मृतक रमेश की मां थाने पहुंची और पुलिस को एक लड़की की फोटो दिखाते हुए कहा कि मेरा बेटा इससे प्यार करता था। इसी लड़की के चलते उसकी हत्या हुई है। रमेश के लैपटॉप में थी लड़की की फोटो...

मामला समस्तीपुर जिले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र का है। विभूतिपुर बेलसंडी के रमेश का शव जितवारपुर निजामत गांव में मिला था।

रमेश की मां ने कहा कि मेरा बेटा इस लड़की से प्यार करता था। दोनों की लव स्टोरी पांच साल पुरानी है। मेरा बेटा इससे चोरी छिपे मिलता था। इस लड़की की फोटो रमेश के लैपटॉप से मिली है।

बुधवार शाम को रमेश इसी लड़की से मिलने गया था। रमेश की हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया। रमेश के पास 50 हजार रुपए भी थे जो शव के साथ नहीं मिले। रमेश विभूतिपुर के सिंघिया चौक पर छात्रों को कम्प्यूटर पढ़ाता था। इसके अलावा वह वीडियो मिक्सिंग भी करता था।

हत्या कर युवक के शव को पेड़ से लटकाया

गुरुवार सुबह जितवारपुर निजामत गांव में रमेश का शव पेड़ से लटकता हुआ मिला था। पेड़ तक किसी गाड़ी के जाने का रास्ता नहीं था। मृतक रमेश की मां थाने पहुंची और पुलिस को एक लड़की की फोटो दिखाते हुए कहा कि मेरा बेटा इससे प्यार करता था। इसी लड़की के चलते उसकी हत्या हुई है।

मामला समस्तीपुर जिले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र का है। विभूतिपुर बेलसंडी के रमेश का शव जितवारपुर निजामत गांव में मिला था। शव को पेड़ से नीचे उतारने के बाद समस्या थी कि इसे रोड तक कैसे ले जाया जाए। गांव के चार युवकों ने शव को उठाकर सड़क तक पहुंचाया था।

शव का पोस्टमार्टम करने वाले सदर अस्पताल के डॉक्टर ने कहा था कि युवक के गर्दन की हड्डी पीछे से टूटी हुई है। आत्महत्या की स्थिति में गले के पास सामने की हड्डी टूटती है। युवक की जीभ भी निकली हुई नहीं थी। न उसके अंदरूनी अंग से कोई डिस्चार्ज हुआ था।

दिल्ली में आयोजित मिस्टर इंडिया मेन हंट–2017 प्रतियोगिता में सूरत के जैमिन मोदी को मिला पूरे भारत में चौथा स्थान

सूरत। मोदी समाज से तालुक रखने वाले सूरत के जैनिम मोदी ने दिल्ली में आयोजित मिस्टर इंडिया मेन हंट–2017 प्रतियोगिता में संपूर्ण भारत में चौथा स्थान प्राप्त कर सूरत सहित पूरे गुजरात का गौरव बढाया है।

भारत में जिस प्रकार प्रत्येक वर्ष मिस इंडिया जैसी महिलाओं के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। उसी प्रकार पुरूषों के लिए भी हर साल सौंदर्य स्पर्धा का आयोजन किया जाता है। महिलाओं की तुलना में अब पुरूष भी सुंदरता में पीछे नहीं हैं। सुंदर पुरूषों के लिए दिल्ली में आयोजित मिस्टर इंडिया मेन हंट–2017 प्रतियोगिता में सूरत निवासी हीराबेन तथा मुकेशभाई मोदी के 26 वर्षीय पुत्र जैनिम ने यह सफलता हासिल की है।

बालीवुड अभिनेता तुषार कपूर तथा मनोज बक्षी के हाथों जैनिम को यह खिताब दिया गया। मिस्टर हेंडसम का खिताब हासिल करने के लिए देश भर से कुल 1500 ने भाग लिया था जिनमें से 70 युवकों को फाइनल के लिए चुना गया था। फाइनल राउंड में इट्रेडक्शन, टैलेंट राउंड, क्वेश्चन आंसर राउंड, रेइन वाक, प्रश्नोत्तरी राउंड पार कर जैनिम ने इस खिताब हासिल किया।

अमरोली पुलिस ने शराब के साथ एक जने को दबोचा

सूरत। अमरोली पुलिस को सूचना मिलने पर थाना क्षेत्र के गुरु नगर सोसाइटी के सोनम एपरमेन्ट की पार्किंग से 27 हजार की शराब के साथ एक बुतलेगर को गिरफ्तार किया है

अमरोली पुलिस के अनुसार स्टाफ के पुलिस कर्मियों को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के गुरु नगर सोसाइटी सोनम एपरमेन्ट के पार्किंग में एक युवक अवेध रूप से शराब बेच रहा है सूचना के चलते पुलिस ने मौके पर छापा मारकर 27 हजार की शराब के साथ एक जने को गिरफ्तार किया .पुलिस ने आरोपी की पूछताछ करने पर अपना नाम अमरोली के गुरु नगर सोसाइटी निवासी चंद्रभान रामनरेश सिंह बताया है।

इच्छापोर में 70 हजार के तीन पशु ओकी चोरी

सूरत। चोयासी तहसील के इच्छापोर स्थित मलगामा गांव निवासी पटेल परिवार की 70 हजार की कीमत के तीन पशु ओको अनजान चोर उचकके चुराकर फरार हो गए । पीड़ित ने अपने धर के पीछे तबेले में मवेशियों को बांध कर रख्खा था । जिसमें से तीन मवेशिये चोरी हो गए ।

इच्छापोर पुलिस के अनुसार चोयासी तहसील के मलगामा गाव निवासी रमेश प्रेमाभाई पटेल 48 किशान है । रामेशभाई का धर के पिछवाड़े में मवेशियों के लिए तबेला बनाया है । 11 नवम्बर की रात से 12 नवम्बर की अल सुबह कसी अनजान चोर उचकको ने पीड़ित के तबेले में प्रवेश कर 70 हजार की कीमत के तीन मवेशियों को चुरा कर फरार हो गया । हादसे के चलते रामेशभाई की शिकायत पर इच्छापोर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शरू की है ।

विधानसभा चुनाव के लिए 14 से 21 नवम्बर तक भरे जाएंगे फार्म

सूरत। गुजरात विधान सभा आम चुनाव–2017 के लिए कामरेज विधानसभा के लिए उम्मीदवारी पत्रक कामरेज 14 नवंबर से 21 नवंबर तक (सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर) प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक तालुका सेवा सदन की दूसरी मंजिल पर चुनाव अधिकारी 158–कामरेज विधानसभा तथा प्रांत आफिसर कामरेज अथवा सहायक चुनाव अधिकारी 158–कामरेज विधानसभा तथा मामलतदार कामरेज में से किसी भी अधिकारी से आवेदन पत्रक लेकर भर सकते हैं। 22 नवंबर की सुबह 11 बजे से उमीदवारी पत्रकों की जांच होगी। 24 नवंबर को दोपहर 3 बजे से पहले उमीदवार अपनी उमीदवारी पत्रक वापस ले सकते हैं।

सूरत पूर्व विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक स्टेंप ड्यूटी कार्यालय में स्वीकार होंग

गुजरात विधानसभा आम चुनाव 2017 के लिए 159–सूरत पूर्व विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक 14 से 21 नवंबर तक (सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर)स्वीकार किए जाएंगे। उमीदवारी पत्रक प्रतिदिन प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नानपुरा, बहुमाली बिल्डिंग के सी–ब्लाक में 7वीं मंजिल पर चुनाव अधिकारी तथा नायब कलेक्टर स्टैंप ड्यूटी, मूल्यांकन विभाग, सूरत शहर विभाग–1 के श्री जे.के. यादव के यहां स्वीकार किए जाएंगे। उमीदवारी पत्रकों की जांच 22 नवंबर को किया जाएगा। उमीदवारी पत्रक 24 नवंबर को दोपहर 3 बजे तक वापस लिए जा सकेंगे।

सूरत। जीडी गोयंका स्कूल केनाल रोड़ वेसू में सोमवार को चिल्ड्रेन डे मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने पर्यावरण पर आधारित चित्र कला का प्रदर्शन किया।

दंपति सहित तीन ठगों ने 85 हज यात्रियों को लगाया 42.50 लाख का चूना

सूरत। सग्रामपुरा के तलावड़ी स्थित टपाल मंडप के पीछे अल आनिया ट्रावेल्स के तीन संचालको ने 85 व्यक्ति ओको 42 लाख 50 हजार की चपत लागर फरार हो गया होने का मामला सामने आया है। तीनो ठगों ने पीड़ितों को हज तथा उमराह करवाने के लिए लेजाने का जासा देकर पैसे एथ कर कार्यालय बंध कर फरार हो गए ।

अथवालाइन्स पुलिस के अनुसार महीधरपुरा के बेगमपुरा स्थित तुलसी फलिया निवासी ज़हीर अयूब भाई मकरानी 30 नोकरी कर परिवार का गुजारा करती है । जहीर भाई को अपने माता पिता को सऊदी अरब के मक्का मदीना में हज करने तथा उमराह करवाने भेजना था । इसके चलते सग्रामपुरा के तलावड़ी स्थित टपाली मंडप के निकट के अल आनिया ट्रावेल्स का संपर्क किया था । यह ट्रावेल्स सग्रामपुरा स्थित रब्बानी प्लाजा निवासी नुरूल्ला उफ नूर भाई खासु भाई शेख ,अशहत अहमदमिया कुरैशी तथा हुमैरा सुलताना अशहत कुरैशी सहित तीन जने चलते थे । दंपति सहित तीन ठगों ने जहीर भी के माता पिता सहित 85 जने को मक्का मदीना फेजने का जासा देकर व्यक्ति दीठ 50 हजार सहित 42 हजार 50 हजार रुपए एथ कर तीनो ठग कार्यालय बंध कर फरार हो गए ।हादसे के चलते पीड़ितों की शिकायत पर तीनों ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शरू की है ।

कांग्रेस के मधुसूदन मिस्त्री, सैम पित्रोदा पहुंचे सूरत

सूरत। कांग्रेसके राष्ट्रीय महासचिव मधुसूदन मिस्त्री और टेक्नोक्रेट सैम पित्रोदा सोमवार को सूरत पहुंचे। दक्षणि गुजरात के कांग्रेस प्रवक्ता संजय पटवा ने बताया कि जीएसटी और नोटबंदी से सूरत के व्यापारियों की कमर टूट गई है। शहर के व्यापारियों की समस्याएं जानने के बाद राहुल गांधी अब पित्रोदा और मधुसूदन मिस्त्री को सूरत भेजा हैं। पित्रोदा और मिस्त्री सोमवार को साइंस सेंटर में शहर के कपड़ा व्यापारी, हीरा व्यापारी, वीवर्स और रियल स्टेट के कारोबारियों की समस्याएं सूनी। बाद में चौक बाजार में मीडिया से मुलाकात की जहां उन्होने बताया कि गुजरात की जनता को महंगाई से बचाने के लिए एक ही विकल्प है कांग्रेस।

उधना में यूनियन बैंक का एटीएम मशीन तोड़ने की कोशिश

सूरत। उधना के चिकुवाड़ी सोसायटी स्थित यूनियन बैंक ऑफ इन्डिया के एटीएम मशीन को रात्रि दौरान अनजान चोर उचकको द्वारा तोड़ने की कोशिश की होने का मामला सामने आया है ।

उधना पुलिस के अनुसार पाल भाठा के ग्रीनसिटी गोल्ड निवासी सुनील कुमार सत्यवान शर्मा 28 यूनियन बैंक ऑफ इन्डिया के प्रबंधक है । इस बैंक का एटीएम मशीन उधना के चिकुवाड़ी सोसायटी में आया है । रात्रि दौरान अनजान चोर उचकको ने एटीएम मशीन को निशाना बनाया था । बदमाशो ने एटीएम मशीन में प्रवेश कर अंदर लगे सीसीटीवी केमेरे पर पट्टी बांधकर मशीन के वायर काटकर एटीएम तोड़ने की कोशिश कर फरार हो गए । मामले की सूचना मिलते ही उधना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर प्रबंधक की शिकायत पर चोरी की कोशिश का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शरू की है ।

राहुल गांधी गुजरात में अमेठी के विकास पर भी चर्चा करें : भूपेन्द्र यादव

अहमदाबाद (ईएमएस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और गुजरात प्रभारी भूपेन्द्र यादव ने आज गुजरात के विकास को पागल करार दे रहे कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी को अमेठी के विकास पर चर्चा करने की चुनौती दी है। अहमदाबाद में भाजपा के मीडिया सेंटर पर पत्रकारों से बातचीत में भूपेन्द्र यादव ने कहा कि राहुल गांधी अपनी गुजरात यात्रा के दौरान गुजरात के विकास पर सवाल भी उठा रहे हैं और उसे पागल भी करार दे रहे हैं। कभी अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के विकास पर भी गुजरात में चर्चा कर लें। यादव ने राहुल गांधी से कहा कि अब जब भी वे गुजरात आएं तब अमेठी में हुए विकास कार्य, शिक्षा का स्तर, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और कृषि समेत अन्य मुद्दों के आंकड़े गुजरात की जनता के समक्ष पूरी ईमानदारी के साथ पेश करें। ताकि गुजरात की जनता को भी अमेठी के विकास की जानकारी मिले और वह भी तो देखे आखिर विकास का मोडल होता कैसा है। उन्होंने कहा कि जिस संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व गांधी परिवार ने किया है, वहां कलेक्ट्रेट का उदघाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने एक महीने पहले किया है और वह भी उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद। गुजरात यात्रा के दौरान राहुल गांधी के मंदिरों में जाने के संदर्भ में भूपेन्द्र यादव ने कांग्रेस उपाध्यक्ष पर कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि राहुल गांधी के दिल्ली स्थित निवास के निकट विख्यात अक्षरधाम मंदिर है, जहां राहुल गांधी कभी गए हैं क्या। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर में जाकर दर्शन करना प्रत्येक हिन्दू का धर्म है और यह एक अच्छी बात है। लेकिन केवल चुनाव फायदे के लिए मंदिर जाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मेहरौली में राहुल गांधी का पैतृक फार्महाउस है, जिसके निकट कात्यायिनी माता का मंदिर है, कालिका माता का मंदिर, योग माया का भी मंदिर है। यादव ने सवाल किया कि क्या कभी राहुल गांधी एक नवरात्रि के दौरान अपने निवास के निकट स्थित इन मंदिरों में कभी दर्शन करने गए हैं। भूपेन्द्र यादव ने कांग्रेस को गुजरात में अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार जाहिर करने की चुनौती दी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह स्पष्ट कर चुके हैं कि गुजरात विधानसभा चुनाव के बाद विजय रूपाणी मुख्यमंत्री और नितिन पटेल उप मुख्यमंत्री पद पर यथावत रहेंगे।

शहर समेत राज्यभर में ठंड बढ़ी

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर समेत राज्यभर में ठंड बढ़ने लगी है। आज सबसे कम तापमान गांधीनगर में 13.5 डिग्री दर्ज हुई। जबकि सबसे अधिक तापमान कच्छ जिले के भुज में 19.4 डिग्री दर्ज हुआ। सौराष्ट्र–कच्छ समेत राज्यभर में मिश्र वातावरण बरकरार है। देर रात और सुबह के समय शीतऋतु की ठंड का अहसास होता है और सूयोदय के साथ वातावरण में गर्मी आ जाती है। सुबह के समय गर्म वस्त्र और अलाव का उपयोग शुरू हो गया है। आज सुबह भी ठंड का असर बरकरार रहा और सबसे कम तापमान गांधीनगर में 13.5 डिग्री दर्ज हुआ।

मोदी पर साधेंगे निशाना, पीएम का नहीं करेंगे अनादर : राहुल गांधी

अंबाजी (ईएमएस)। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेगी, लेकिन प्रधानमंत्री के पद का अनादर नहीं करेगी। राहुल गांधी ने कहा हम चाहे जो कुछ करें, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के पद का अनादर नहीं करेंगे। यह पद भारत का प्रतिनिधित्व करता है। इसका अनादर करना संभव नहीं है। राहुल गांधी ने कहा नरेंद्र मोदी हमारे बारे में चाहे जो कुछ कहें, वह भारत के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन हम एक निश्चित सीमा से आगे नहीं बढ़ेंगे। राहुल गांधी ने कहा जीएसटी और नोटबंदी साफ तौर पर मोदी की बड़ी गलतियां हैं। राहुल ने कहा कि लेकिन वह लगातार कह रहे हैं कि नोटबंदी का फैसला सही था। हर कोई गलती

करता है। हम गलतियां स्वीकार कर आगे बढ़ने में यकीन रखते हैं। बहरहाल, आप चाहे जितनी कोशिश कर लें, आप गुस्से को भड़का नहीं सकते, क्योंकि आप कांग्रेस से हैं, भाजपा से नहीं। पर आप सच फैला सकते हैं। उन्होंने कहा भारत के स्वतंत्रता सेनानियों– महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, भीमराव अंबेडकर के पास कोई सेना नहीं थी। उनके पास खादी, चरखा और सत्य था, तो आखिरकार किसकी जीत हुई? कांग्रेस पार्टी की। उन्होंने कहा सच से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। राहुल ने कहा आज नरेंद्र मोदी के पास गुजरात सरकार, केंद्र सरकार, थलसेना, वायुसेना, मीडिया हम मीडिया के लोगों की बात नहीं कर रहे। वे सच दिखाना चाहते हैं, लेकिन पीछे से उन पर नियंत्रण किया जाता है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह सच से खिलवाड़ कर रहे हैं। लेकिन सच से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता।

भाजपा ने गंदी राजनीति शुरू की : हार्दिक पटेल

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को समर्थन का संकेत दे चुके पास नेता हार्दिक पटेल का एक लड़की के साथ कथित वीडियो वायरल होने से राज्य की राजनीति गरमा गई है। हार्दिक पटेल ने कथित वीडियो पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा ने गंदी राजनीति की शुरुआत कर दी है और ऐसे आरोप–प्रत्यारोप आनेवाले समय में और भी तेज होंगे। हार्दिक ने कहा कि उन्होंने पहले ही ऐसे किसी वीडियो भाजपा की ओर से जारी किए जाने की आशंका व्यक्त की थी। भाजपा के लिए चुनाव के दौरान मजबूत हो रहा पाटीदार आंदोलन सिरदर्द बन रहा है। नतीजतन भाजपा ने नलिया कांड, मांडवी कांड और हार्दिक कांड लाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि बैंगकोक में वीडियो बनाया जाता है और पाटीदार समाज को बदनाम किया जाता है। यह सभी कोई जानता है कि भाजपा नेता संजय जोशी की सीडी किसने बनाई थी। हार्दिक ने कहा कि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है और मैं समाज के साथ हूं कहीं जानेवाला नहीं हूं। उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा को 50 सीटें मिलना मुश्किल हो चला है, इसीलिए अब उसने गंदी राजनीति शुरू कर दी है। महिला जासूसी और वीडियो बनाना भाजपा का काम है। भाजपा महिलाओं के सम्मान के साथ मजाक कर रही है। मैं समाज के लिए लड़ रहा था और काम करोगे तो विरोध होना स्वाभाविक है। लेकिन व्यक्तिगत आरोप उचित नहीं है। राजनीतिक तौर पर भी इसे ठीक नहीं कहा जा सकता।

हार्दिक ने कहा कि यह मुझे बदनाम करने की साजिश है। लेकिन ऐसी सीडी से मुझे फर्क नहीं पड़ता। गुजरात की छह करोड़ जनता मेरे साथ है, यदि गलत होऊंगा तो लोग मेरी सभा में आना बंद कर देंगे।

टैंकर–कार के बीच भिड़ंत में तीन युवकों की मौत

दाहोद (ईएमएस)। जिले के लींबडी हाईवे पर कचुंबीर गांव के निकट टैंकर और कार के बीच हुई दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब तीन युवक राज–स्थान के डडुका गांव से दाहोद के लीमखेडा की ओर लौट रहे थे। जानकारी के मुताबिक दाहोद जिले के लीमखेडा निवासी युवक पंकज रमणलाल दर्जी, धर्मेन्द्र कनैयालाल चौहाण, विजय जयंतीलाल दर्जी और रोहित तोलाचंद दर्जी राज–स्थान के डडुका गांव से शादी समारोह से कार में अपने घर की ओर लौट रहे थे। रास्ते में दाहोद जिले की लींबडी हाईवे पर कचुंबर गांव के निकट सामने से आ रहे तेज रफ्तार टैंकर ने लीमखेडा की कार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना जबर्दस्त था कि कार में सवार पंकज दर्जी, धर्मेन्द्र दर्जी और विजय दर्जी की गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि रोहित दर्जी गंभीर रूप से घायल हो गया। रोहित दर्जी को गंभीर हालत में दाहोद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एक करोड़ की चरस के साथ दो शख्स गिरफ्तार

अहमदाबाद। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) आज सुबह शहर के हवाई अड्डे से एक शख्स को एक करोड़ रुपए कीमत की चरस के साथ दो शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। जिसमें कश्मीर से आए शख्स को रिसीव करने आया व्यक्ति भी शामिल है। गुजरात एनसीबी के क्षेत्रीय निदेशक हरिओम गांधी के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि एक शख्स चरस लेकर इंडिगो फ्लाइट से अहमदाबाद आ रहा है। सूचना के आधार पर श्रीनगर से अहमदाबाद आई इंडिगो फ्लाइट के यात्री फारूक शेख की बैग की तलाशी ली। जिसमें फ्रूट के बोक्स से 10 किलो चरस बरामद हुआ। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब रु. 1 करोड़ मानी जा रही है। इसके अलावा एनसीबी ने उस शख्स को भी गिरफ्तार कर लिया जो हवाई अड्डे पर फारुक शेख को रिसीव करने आया था। अहमदाबाद में एक सप्ताह में चरस पकड़े जाने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 9 नवंबर को एनसीबी के अधिकारियों ने पूर्व सूचना के आधार पर शहर के जुहापुरा क्षेत्र से आबिद मियां और इंतेखाब आलम को 5.370 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया था। पांच पैकेटों में चरस को लड्डू बनाकर रखा गया था और इसे जम्मू–कश्मीर से लाया गया था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ–ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं ताप्तीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com